द्वितीय सेमेस्टर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2022-2023
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : काव्यशास्त्र — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-104
Course Title : Kayya Shastra — **Course Code :MAST-104**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य मम्मट के काव्य–प्रयोजन की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 6

प्रश्न–2 निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए।

'नियतिकृतनियमरहितां ह्लादैकमयीमनन्यपरतन्त्राम्। 6
नवरसरुचिरां निर्मितिमादधती भारती कवेर्जयति ।।

प्रश्न–3 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' की व्याख्या कीजिए। 6

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 **'साक्षात्संकेतितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचकः'** – को समझाइए।
प्रश्न–5 **मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्। अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया**– की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–6 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए– 2
तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्।
प्रश्न–7 निम्नलिखित की संक्षिप्त विवेचना कीजिए– 2
भट्टलोल्लट का उत्पत्तिवाद
प्रश्न–8 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए– 2
विवक्षितं चान्यपरं वाच्यं यत्रापरस्तु सः।
प्रश्न–9 निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए– 2
विवक्षितं चान्यपरं वाच्यं यत्रापरस्तु सः ।

द्वितीय सेमेस्टर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2022-2023
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी
Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**
कोर्स शीर्षक : नाट्यशास्त्र — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-105
Course Title : — **Course Code :MAST-105**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड अ

अधिकतम अंकः 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 नाट्यशास्त्र के प्रणेता आचार्य भरत का सामान्य परिचय दीजिए। 6
अथवा
अर्थ प्रकृति का लक्षण करते हुए इसके भेदों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न–2 नाट्यशास्त्र के आधार पर वृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 6
अथवा
नाटक के प्रमुख नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न–3 नाट्यशास्त्र को पंचम वेद क्यों कहते हैं, व्याख्या कीजिए। 6
अथवा
दशरूपक के आधार पर नायक का लक्षण एवं उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Section – B
खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य

प्रश्न–4 संधियों पर प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–5 अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्' की व्याख्या कीजिए। 2
प्रश्न–6 निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए। 2
रंगमंच, नान्दी
प्रश्न–7 दशरूपक के आधार पर नाटक के भेदों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2
प्रश्न–8 नाटिका का लक्षण बताइए। 2
प्रश्न–9 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए– 2
कथावस्तु, विदूषक

द्वितीय सेमेस्टर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2022-2023

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी

Subject : Sanskrit — **Subject Code : MAST**

कोर्स शीर्षक : प्राच्य भारतीय दर्शन — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी-106

Course Title : — **Course Code :MAST-106**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड अ

अधिकतम अंकः18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 अधोलिखित कारिकाओं में से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए – 6

(i) दुःखत्रयाभिघाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।
दृष्टे साऽपार्था चेनैकान्तात्यन्ततोऽभावात्।।

अथवा

(ii) प्रीत्यप्रीतिविषादात्मकाः प्रकाशप्रवृत्तिनियमार्थाः।
अन्योन्याभिभवाश्रयजननमिथुनवृत्तयश्च गुणाः।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) साक्षात्कारिप्रमाकरणं प्रत्यक्षम्।

अथवा

(ii) लिङ्.गपरामर्शोऽनुमानम्।

प्रश्न–3 अधोलिखित में से किसी एक की व्याख्या कीजिए – 6

(i) विषयो जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्,
तत्रैव वेदान्तानां तात्पर्यात्।

अथवा

(ii) तत्रानुबन्धो नामाधिकारिविषयसम्बन्धप्रयोजनानि

Section – B

खण्ड ब

अधिकतम अंकः12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' की व्याख्या कीजिए।	2
प्रश्न–5	तर्कभाषा के अनुसार षोढासन्निकर्ष का निरूपण कीजिए।	2
प्रश्न–6	सांख्य दर्शन के प्रमुख तत्त्वों पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–7	अद्वैत वेदान्त के अनुसार 'मोक्ष' का अर्थ समझाइए।	
प्रश्न–8	वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।	2
प्रश्न–9	निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए– कैवल्य, अकर्तृत्वभाव	2